अनुक्रम

	राजबहादुर 'विकल' (पूनम से अमावस तक)	*ix*
	पुरोवाक्	*xiii*
	भावनांजलि...	*xv*
	दो शब्द मेरे भी...	*xvii*
1.	सरस्वती वन्दना	1
2.	धन बोल उठा	5
3.	प्रज्ञा की भगवा किरणों से तम दूर हुआ	19
4.	जल उठी आग	22
5.	कालजयी सन्त विनोबा	28
6.	हस्ताक्षर	33
7.	सागर का धीरज छूट गया	38
8.	अमरत्व के वरदायी : तुलसीदास	42
9.	बलिदानी वीरों के प्रति	45
10.	हे! मातृभूमि	47
11.	मैं सिंहासन हूँ	51
12.	भेजा गया मैं	57
13.	मेरे कवि युग के गान लिखो	59
14.	अशफाक के प्रति	61
15.	पीले पल्लव	62

SAMPLE

16. गोविन्द सिंह के प्रति 64
17. पंच प्यारा 67
18. खालसा पंथ 68
19. नया वर्ष 70
20. यह तो जयकेतु विधाता का 73
21. तुलसीदास के प्रति 75
22. सपने 79
23. आप समझे हुए 80
24. परशुराम 81
25. हे! लौह पुरुष तुमको प्रणाम 82
26. विवेकानन्द 83
27. किन्तु तुम मौन रहे 85
28. नन्हें-नन्हें सपने 86
29. सिंहासन के इधर-उधर 87
30. युवा कवियों से 88
31. गीत 91
32. गीत 93
33. गीत 94
34. गीत 95
35. गीत 96
36. गीत 98
37. मुक्तक 99

SAMPLE